वोटर वेरफिाइड पेपर ऑडटि ट्रेल (VVPAT)

प्रीलम्सि के लयि:

ECI, VVPAT, इलेक्ट्रॉनकि वोटगि मशीन, आदर्श आचार संहति

मेन्स के लयि:

भारतीय चुनावों में VVPAT प्रणाली, भवषि्य के चुनावों में VVPAT प्रणाली की वशि्वसनीयता और पारदर्शति सुनश्चिति करने के लयि संभावति समाधान, VVPAT और स्वतंत्र और नषि्पक्ष चुनावों के सामने आने वाली चुनौतयिाँ।

स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस

चर्चा में क्यों?

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने घोषणा की कि वह 19 अप्रैल, 2024 को पहले चरण के मतदान से ठीक पहले वोटर वेरफिाइड पेपर ऑडटि ट्रेल (VVPAT) पर्चयिों के 100% सत्यापन के लयि याचकिाओं को संबोधति करेगा।

VVPAT मशीन क्या है?

- **परचिय:**
  - VVPAT मशीन इलेक्ट्रॉनकि वोटगि मशीन (EVM) की **बैलेटगि यूनटि/मतपत्र इकाई** से जुड़ी होती है, और मतदाता की पसंद के साथ कागज़ की एक पर्ची प्रटि करके मतदाता द्वारा डाले गए वोट का दृश्य सत्यापन प्रदान करती है।
  - मतदाता के ववि‍रण के साथ कागज़ की पर्ची को काँच की खड़िकी के पीछे सत्यापन के लयि संक्षेप में प्रदर्शति कयिा जाता है, जसिसे मतदाता को नीचे एक डब्बि में जाने से पहले 7 सेकंड का समय मलिता है।
  - मतदाताओं को VVPAT पर्ची घर ले जाने की **अनुमति नहीं** होती है क्योंकि इसका उपयोग **पाँच यादृच्छकि रूप से चयनति मतदान केंद्रों में वोटों को सत्यापति** करने के लयि कयिा जाता है।
  - इस अवधारणा का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनकि रूप से डाले गए वोटों के **भौतकि सत्यापन को सक्षम** करते हुए मतदाताओं एवं राजनीतकि दलों दोनों को उनके वोटों की सटीकता के बारे में आश्वस्त करके **मतदान प्रक्रयिा में वशि्वास बढ़ाना** है।
- **परचिय का कारण:**
  - VVPAT मशीन की अवधारणा सर्वप्रथम वर्ष 2010 में EVM आधारति मतदान प्रक्रयिा में पारदर्शति बढ़ाने के लयि भारत के चुनाव आयोग (Election Commission of India- ECI) एवं राजनीतकि दलों के बीच एक बैठक के दौरान प्रस्तावति की गई थी।
  - प्रोटोटाइप तैयार करने के बाद, **जुलाई 2011** में **लद्दाख, तरिुवनंतपुरम, चेरापूँजी, पूर्वी दल्लिी तथा जैसलमेर** में फील्ड परीक्षण कयिे गए।
    - इसके परणिामस्वरूप **फरवरी 2013** में ECI की **एक वशिेषज्ञ समतिि द्वारा VVPAT को मंज़ूरी** दी गई।
- **कानूनी पहलू:**
  - वर्ष 2013 में **चुनाव संचालन नयिम, 1961** में संशोधन करके एक ड्रॉप बॉक्स वाले प्रटिर को EVM से जोड़ने की अनुमति दी गई थी।
    - **VVPAT** का उपयोग **पहली बार वर्ष 2013 में नगालैंड के नॉकसेन वधिानसभा क्षेत्र** के सभी 21 मतदान केंद्रों में कयिा गया था, जसिके बाद ECI ने इसे चरणबद्ध तरीके से लागू करने का नरि्णय लयिा, जसि **जून 2017** तक इसे **100% अपनाया गया**।
  - **VVPAT पर सर्वोच्च न्यायालय:**
    - सुब्रमण्यम स्वामी बनाम भारतीय चुनाव आयोग मामले, 2013 में, सर्वोच्च न्यायालय ने पारदर्शी चुनावों के लयि VVPAT को अनविार्य कर दयिा, जसिसे उनके कार्यान्वयन के लयि **सरकारी वत्तिपोषण** को बाध्य कयिा गया।
    - **वर्ष 2019 में** सर्वोच्च न्यायालय में एक याचकिा दायर की गई थी, जसिमें न्यूनतम 50% यादृच्छकि VVPAT पर्चयिों की गनिती करने की मांग की गई थी।
      - हालाँकि भारत नरि्वाचन आयोग (ECI) ने 50% VVPAT पर्चयिों की गनिती से उत्पन्न चुनौतयिों के बारे में चतिा जताई है, जसिमें चुनाव परणिाम घोषति करने में 5-6 दनिों का संभावति वलिंब और जनशक्ति की उपलब्धता जैसे बुनयिादी ढाँचे की सीमाएँ शामलि हैं।

VVPAT पर्चियों के बारे में सांख्यिकीय डेटा क्या कहता है?

- प्रारंभ में **निर्वाचन आयोग,** प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में EVM नियम के तहत **4,125 इलेक्ट्रॉनिक** मतदाता मशीनों की **VVPAT पेपर पर्चियों** का मिलान करता था।
  - यह चुनाव आयोग द्वारा वर्ष 2018 में **भारतीय सांख्यिकी संस्थान (ISI)** को EVM परिणामों के साथ VVPAT पर्चियों के **आंतरिक ऑडिट** के लिये एक नमूना आकार निर्धारित करने के लिये किये गए अनुरोध के परिणाम पर आधारित था, जो गणितीय एवं सांख्यिकीय रूप से मज़बूत और व्यावहारिक रूप से तथ्यपूर्ण हो।
    - **ISI की गणना के अनुसार** देश भर में **479** यादृच्छिक रूप से चयनित **VVPAT से पर्ची** की गिनती भी **99% से अधिक सटीकता की गारंटी देगी।**
- हालाँकि **सर्वोच्च न्यायालय** ने वर्ष 2019 में फैसला सुनाया कि चुनाव प्रक्रिया में **अधिकतम सटीकता** और संतुष्टि के लिये केवल एक EVM के बजाय **प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में पाँच इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की VVPAT पर्चियों** को गिना जाना आवश्यक है।
  - इन पाँच मतदान केंद्रों का चयन संबंधित रिटर्निंग अधिकारी द्वारा उम्मीदवारों/उनके अभिकर्त्ताओं की उपस्थिति में **ड्रा के माध्यम से** किया जाता है।
  - इन पाँच मतदान केंद्रों का चयन संबंधित रिटर्निंग अधिकारी द्वारा उम्मीदवारों/उनके एजेंटों की उपस्थिति में **ड्रा द्वारा** किया जाता है।
  - सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के साथ, **ECI को अब 20,625 इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की VVPAT पर्चियों की गिनती करनी होगी।**

भारतीय सांख्यिकी संस्थान:

- **भारतीय सांख्यिकी संस्थान (Indian Statistical Institute - ISI)** भारत का एक प्रतिष्ठित संस्थान है, जिसे भारतीय संसद के 1959 के अधिनियम द्वारा राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- इसे 28 अप्रैल 1932 को पश्चिम बंगाल सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत एक **गैर-लाभकारी वितरण** विद्वान सोसायटी के रूप में पंजीकृत किया गया था।
- इसकी स्थापना **प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस ने कोलकाता** में की थी।
- ISI विभिन्न क्षेत्रों में योगदान और सरकारी और औद्योगिक संस्थाओं के साथ सहयोग के साथ व्यापक अनुसंधान में संलग्न है।
- यह **सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय** के अंतर्गत आता है।

दृष्टि मेन्स प्रश्न:

प्रश्न. भारत में चुनावी अखंडता बनाए रखने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने में वोटर वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल (VVPAT) के महत्त्व की जाँच कीजिये।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

?????:

प्रश्न. इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ई.वी.एम.) के इस्तेमाल संबंधी में हाल के विवाद के आलोक में, भारत में चुनावों की विश्वास्यता सुनिश्चित करने के लिये भारत के निर्वाचन आयोग के समक्ष क्या-क्या चुनौतियाँ हैं? (2018)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/voter-verified-paper-audit-trail-vvpat-